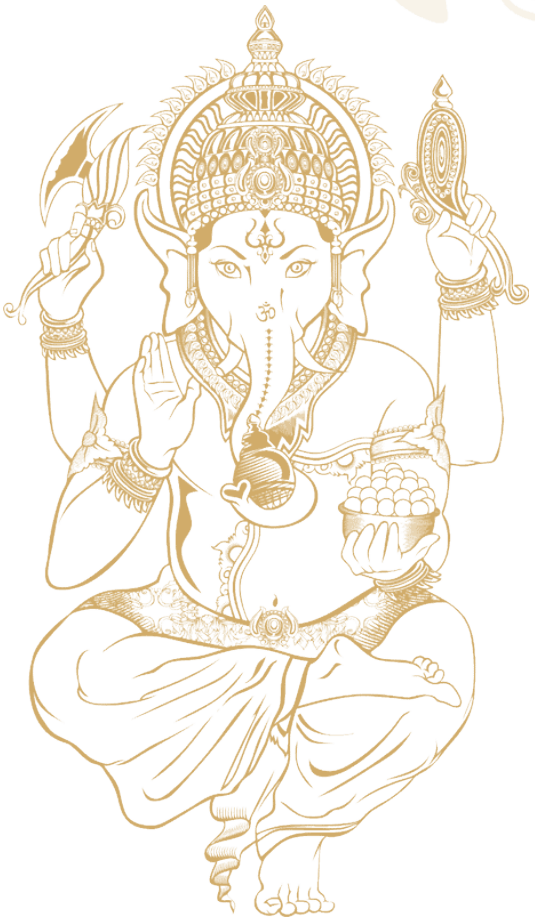

Gourav

12 Aug 1998

04:00 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121181102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/08/1998**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	55:22:31 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:29:28 घंटे
वेलान्तर	-00:05:14 घंटे
साम्पातिक काल	00:50:12 घंटे
सूर्योदय	05:50:59 घंटे
सूर्यास्त	19:19:57 घंटे
दिनमान	13:28:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	25:12:19 कर्क
लग्न के अंश	01:08:26 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	01:08:26	302:49:47	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	---
सूर्य			कर्क	25:12:19	00:57:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	16:36:10	14:27:10	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			कर्क	00:25:18	00:39:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
बुध	व	अ	कर्क	28:51:49	00:48:49	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	03:13:48	00:04:40	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	04:23:38	01:13:10	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि			मेष	09:46:47	00:00:24	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:38:41	00:01:04	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:38:41	00:01:04	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:35:16	00:02:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:25:50	00:01:31	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:27:57	00:00:09	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	19:47:52	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:08

लग्न-चलित

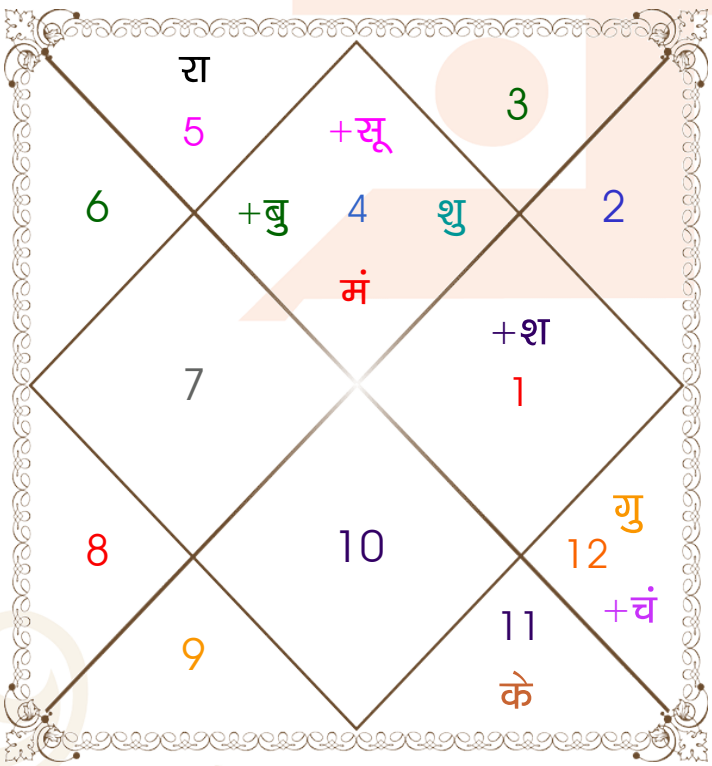

चन्द्र कुंडली

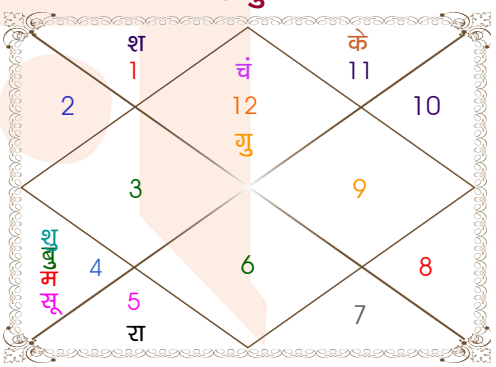

नवमांश कुंडली

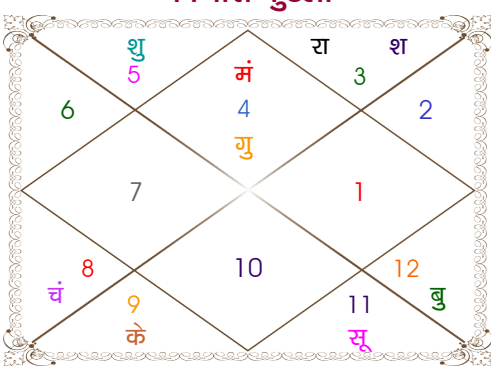

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 0 वर्ष 1 मास 2 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/08/1998		14/09/1998		14/09/2015		14/09/2022		14/09/2042	
14/09/1998		14/09/2015		14/09/2022		14/09/2042		13/09/2048	
	00/00/0000	बुध	10/02/2001	केतु	10/02/2016	शुक्र	13/01/2026	सूर्य	02/01/2043
	00/00/0000	केतु	07/02/2002	शुक्र	11/04/2017	सूर्य	14/01/2027	चंद्र	03/07/2043
	00/00/0000	शुक्र	08/12/2004	सूर्य	17/08/2017	चंद्र	13/09/2028	मंगल	08/11/2043
	00/00/0000	सूर्य	14/10/2005	चंद्र	18/03/2018	मंगल	14/11/2029	राहु	02/10/2044
	00/00/0000	चंद्र	16/03/2007	मंगल	15/08/2018	राहु	13/11/2032	गुरु	21/07/2045
	00/00/0000	मंगल	12/03/2008	राहु	02/09/2019	गुरु	15/07/2035	शनि	03/07/2046
	00/00/0000	राहु	29/09/2010	गुरु	08/08/2020	शनि	14/09/2038	बुध	09/05/2047
	12/08/1998	गुरु	04/01/2013	शनि	17/09/2021	बुध	15/07/2041	केतु	14/09/2047
गुरु	14/09/1998	शनि	14/09/2015	बुध	14/09/2022	केतु	14/09/2042	शुक्र	13/09/2048

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/09/2048		14/09/2058		14/09/2065		14/09/2083		14/09/2099	
14/09/2058		14/09/2065		14/09/2083		14/09/2099		13/08/2118	
चंद्र	15/07/2049	मंगल	10/02/2059	राहु	27/05/2068	गुरु	01/11/2085	शनि	18/09/2102
मंगल	13/02/2050	राहु	29/02/2060	गुरु	21/10/2070	शनि	15/05/2088	बुध	28/05/2105
राहु	15/08/2051	गुरु	04/02/2061	शनि	26/08/2073	बुध	21/08/2090	केतु	07/07/2106
गुरु	14/12/2052	शनि	15/03/2062	बुध	15/03/2076	केतु	28/07/2091	शुक्र	06/09/2109
शनि	15/07/2054	बुध	13/03/2063	केतु	02/04/2077	शुक्र	28/03/2094	सूर्य	19/08/2110
बुध	15/12/2055	केतु	09/08/2063	शुक्र	02/04/2080	सूर्य	14/01/2095	चंद्र	19/03/2112
केतु	15/07/2056	शुक्र	08/10/2064	सूर्य	25/02/2081	चंद्र	15/05/2096	मंगल	28/04/2113
शुक्र	15/03/2058	सूर्य	13/02/2065	चंद्र	27/08/2082	मंगल	21/04/2097	राहु	04/03/2116
सूर्य	14/09/2058	चंद्र	14/09/2065	मंगल	14/09/2083	राहु	14/09/2099	गुरु	13/08/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 1 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कर्क लग्न, कर्क नवमांश एवं कर्क राशि के द्रेशकाण में हुआ है। जन्मकाल वर्गोत्तम गुण से युक्त एवं अनुकूल जन्म लग्नोदयादि उदित था जिसके प्रभाव से आप भाग्यशाली, अनेक अनुकूलताओं से युक्त, आरामदायक जीवन व्यतीत करनेवाले है। समाज में आपकी स्थिति समृद्धियुक्त एवं जीवन का श्रेय वर्गोत्तम का प्रभाव भगवान की देन प्रमाणित करता है।

आपके जीवन का मुख्य सबक यह है कि आप मस्तिष्क में यह बात सोच लें कि आप निश्चित रूप से उन्नति प्राप्त करेंगे एवं आप किसी भी विषय अथवा कार्य योजना पर निश्चित समय पर निर्णय लेकर, कार्यरूप देना, यह आपका स्वाभाविक जन्मजात विशेषता है। यदि आप तत्क्षण कार्य की सुनिश्चितता नहीं प्राप्त कर सके तो परिणामस्वरूप अनेकानेक सुअवसर का लाभ आपको हस्तगत नहीं हो सकेगा। अस्तु आपको दृढ़तापूर्वक चिन्तन करके कार्य कला नीति लागू करनी चाहिए। ताकि आप लाभ प्राप्ति के परिणाम के अनुसार विजय श्री प्राप्त कर सकें।

आपको दो अन्य अपेक्षित सावधानी के सम्बन्ध में ध्यान देना आवश्यक है। आप जितनी संख्या में सन्तान की प्राप्ति चाहेंगे-उतनी संतान का सुख अवश्य प्राप्त होगा।

आपके शरीर का उपरी भाग बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली रहेगा। जबकि कुछ वर्षों के बाद उदर बड़ा होकर शरीर का निचला भाग दुर्बल हो जायगा। यदि आप बैल की भॉति उदर बढ़ाने की प्रवृति का त्याग करें। अन्य दूसरी बात यह है कि आप अपने पारिवारिक आकृति के सम्बन्ध में सचेत रहे। क्योंकि छोटा परिवार द्वारा उत्तम सुख प्राप्त होता है। इसलिए परिवार के प्रति समर्पित एवं पत्नी के साथ अनुकूलतापूर्वक सम्बंधित रहकर परिवार नियोजन के सिद्धान्त के अनुसार अधिक मात्रा में सन्तानोत्पत्ति पर नियंत्रण रख सकते हैं। यह स्वभाव आप दोनों में किसी का भी आपके पारिवारिक जीवन अथवा देशीय प्रथा के लिए ठीक नहीं है। यह झलक आपके जन्म प्रभाव से परिलक्षित होता है।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप समझौता पूर्वक सचेत रहकर पारिवारिक सुख एवं बच्चों के सुख एवं लाभ के लिए सुनिश्चित कर लें कि आपका परिवारिक जीवन नियंत्रित हो।

सामान्यतया आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य रहने के लिए सचेष्ट रहें, तथा स्वास्थ्य का सम्पोषण करते रहेंगे।

आप अपने स्वस्थ्य के लिए तथा कुछ रोगादि के प्रति सावधान रहें क्योंकि आप मूर्छा रोग, सफेद दाग, हिस्ट्रीया, फोड़ा फुन्सी तथा गले की दिक्कतें सम्बंधी रोग से आक्रान्त हो सकते हैं।

आपके लिए अनुकूल कर्म व्यवसायों में आयात-निर्यात, पर्यटन कार्य, ट्रान्सपोर्ट का कार्य तथा सामुदायिक कार्य करना उत्तम होगा। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य, फैक्ट्री

चलाना, यांत्रिक, रेस्टोरेन्ट खेल सामग्री सुरक्षा एवं पुलिस की नौकरी से सम्बंधित कार्य कर सकते हैं। आप राजनीति के लिए उपयुक्त एवं पूर्ण समर्थ है। सम्बंधित कार्य आपके लिए लाभदायक प्रमाणित होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं कम्पनशील है।

अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए प्रतिकूल है अतः इस अंक के व्यवहार का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद एवं क्रीम रंग, पीला एवं लाल रंग प्रमाणित हो सकता है। हरा एवं ब्लू रंग का सर्वथा त्याग करें।